सुंदरबन में खारे पानी के मगरमच्छ

स्रोत: TH

राज्य वन वभिाग के सर्वेक्षण के अनुसार, **सुंदरबन बायोस्फीयर रिज़र्व (SBR)** में **खारे पानी के मगरमच्छों** की आबादी में **वृद्धि हुई है।**

- अध्ययन में खारे पानी के मगरमच्छों की अनुमानित संख्या 220 से 242 तक बताई गई है। 180 मीटर से कम चौड़ाई वाली खाड़ियाँ तथा नदियाँ खारे पानी के मगरमच्छों के लिये अनुकूल होती हैं।
- खारे पानी के मगरमच्छ **अतिमांसाहारी (hypercarnivorous) शीर्ष शिकारी हैं जो** जल निकायों में शवों को खाकर **पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को** बनाए रखते हैं।
    - **अतिमांसाहारी शीर्ष शिकारी** एक **विशिष्ट शिकारी होता है**, जो **अपनी खाद्य शृंखला में शीर्ष पर होता है,** उसका **कोई प्राकृतिक शत्रु नहीं होता** तथा वह **अपने आहार के 70% से अधिक भाग** के लिये **अन्य जीवों पर निर्भर होता है**।
- ये **सर्दियों के दौरान जल की लवणता की व्यापक सीमा को सहन कर सकते हैं** , किंतु लवणता में वृद्धि उनके आवास के लिए खतरा उत्पन्न कर सकती है।

सुंदरवन

- **अवस्थिति:** सुंदरवन, विश्व का सबसे बड़ा **मैंग्रोव वन, बंगाल की खाड़ी के** किनारे **गंगा, ब्रह्मपुत्र तथा मेघना नदियों** के डेल्टा में स्थित है, जिसका **40% हिस्सा भारत में** और शेष भाग **बांग्लादेश में है**।
- **पारिस्थितिकी तंत्र:** उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में भूमि और समुद्र के मध्य विकसित होने वाला एक तंत्र, जिसमें ताज़े जल के दलदल, अंतर-ज्वारीय मैंग्रोव, लवणीय वन तथा खुले जल सहित विविध प्रकार के आवास सम्मिलित होते हैं।
- **पारिस्थितिकी तंत्र: उष्णकटिबंधीय तथा उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में स्थल एवं समुद्र** के बीच एक **इकोटोन (Ecotone)**, जिसमें **ताज़े जल के दलदल, अंतर-ज्वारीय मैंग्रोव, लवणीय वन और खुले पानी** सहित **आवासों का विविध मिश्रण शामिल है**।
- **वैश्विक मान्यता: 1987 (भारत) और 1997 (बांग्लादेश) में** **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** और **रामसर स्थल** (2019)।

भारत में मगरमच्छ की प्रजातियाँ

भारत में मगरमच्छ की तीन विविध प्रजातियाँ पाई जाती हैं - मगर, खारे पानी का मगरमच्छ, और घड़ियाल- देश भर में अलग-अलग आवासों में पाए जाते हैं।

दृष्टिकोण	घड़ियाल	मगर /भारतीय मगरमच्छ	खारे पानी का मगरमच्छ
वैज्ञानिक नाम	गेवियलिस गैंगेटिकस	क्रोकोडायलस पलुस्ट्रिस	क्रोकोडायलस पोरोसस
वितरण: भारत	**बहुल आबादी:** राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य (उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश) **आबादी:** सोन, गंडक, हुगली, घाघरा और सतकोसिया वन्य जीव अभयारण्य (ओडिशा)	संपूर्ण भारत में	पूर्वी तट (ओडिशा का भितरकनिका वन्य जीव अभयारण्य, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तट और सुंदरवन)
वितरण: पड़ोस	भूटान और बांग्लादेश की ब्रह्मपुत्र और इरावदी नदी	भूटान और म्यांमार में विलुप्त	पूरे दक्षिण पूर्व एशिया में
विशेष सुविधा	सभी मगरमच्छों में सबसे लंबा, लंबा और पतले मुँह वाला	अंडे देने वाले, घोंसला बनाने वाले, चौड़े और यू-आकार का मुँह	सबसे अधिक जीवित सरीसृप, नुकीला और V-आकार का मुँह
प्राकृतिक वास	ताज़े जल	ताज़े जल	खारा पानी, खारा और आर्द्रभूमि
IUCN स्थिति	CR	VU	LC
CITES स्थिति	परिशिष्ट।	परिशिष्ट।	परिशिष्ट।
CMS स्थिति	परिशिष्ट।	-	परिशिष्ट II
WPA,1972 स्थिति	अनुसूची।	अनुसूची।	अनुसूची।
संकट	बाँध, प्रदूषण, रेत खनन	आवास नष्ट हो गए हैं	इसका खाल और पर्यावास हानि के लिये शिकार हुआ
सरकारी पहल	ओडिशा: महानदी नदी बेसिन में घड़ियाल के संरक्षण के लिये 1000 रुपए का पुरस्कार भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975 मगर संरक्षण कार्यक्रम मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट	भारतीय मगरमच्छ संरक्षण परियोजना, 1975

विविध तथ्य

- **17 जून:** विश्व मगरमच्छ दिवस
- **वार्षिक सरीसृप जनगणना, 2023:** खारे पानी के मगरमच्छों की संख्या में मामूली वृद्धि **(भीतरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और इसके आस-पास के क्षेत्र)**
- **ओडिशा का केंद्रपाड़ा ज़िला:** भारत का एकमात्र ज़िला जहाँ मगरमच्छ की तीनों प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

Drishti IAS

और पढ़ें: सुंदरबन

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saltwater-crocodile-in-sundarbans